जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 260 प्रभात जालोर, शनिवार 27 दिसम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 16 मूल्य 2.50 रु.

रेगिस्तान को आगे बढ़ने से अरावली के पहाड़ों ने रोका हुआ है- पायलट

सचिन पायलट के नेतृत्व में हज़ारों कार्यकर्ताओं ने ''अरावली बचाओ-भविष्य बचाओ'' मार्च निकाला

जयपुर, 26 दिसम्बर। नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) राजस्थान का जयपुर में ''अरावली बचाओ-भविष्य बचाओ'' अभियान के तहत सचिन पायलट के नेतृत्व में पैदल मार्च निकाला गया। सचिन पायलट पैदल मार्च में शामिल होने के लिए पहुंचे तो कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से नारेबाजी करते हुए उनका स्वागत किया, जिस पर पायलट ने भी हाथ हिलाकर समर्थकों का अभिवादन किया। इस दौरान विधायक रफीक खान, अमीन कागजी, मनीष यादव और रामनिवास गावड़िया भी मौजूद थे।

- पूर्व उपमुख्यमंत्री व कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने रैली में कहा कि अवैध खनन तो आप रोक नहीं पा रहे, पर कोर्ट में जाकर सरकार बोलती है कि 100 मीटर की पहाड़ी को ही अरावली पर्वत माना जाएगा।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के नेतृत्व में शुक्रवार को जयपुर में एनएसयूआई ने ''अरावली बचाओ'' पैदल मार्च निकाला। इस पदयात्रा में हजारों की संख्या में कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

सचिन पायलट ने कहा, हमें इस बात पर चिंतन करना होगा कि क्या मजबूरी है। किस कारण से इस अरावली की पूरी पहाड़ियों को बीजेपी खतरे की ओर धकेल रही है। आज भी सैकड़ों जगह अरावली की पहाड़ियों पर अवैध खनन चल रहा है। बच्चा-बच्चा जानता है। आप कोर्ट में क्या हलफनामा देते हो, यह अलग बात है।

उन्होंने कहा, आप धरातल पर जाकर देखो सैकड़ों लोग न जाने किसके दबाव में, किसके आशीर्वाद से लगातार अवैध खनन कर रहे हैं। अवैध खनन को आप रोक नहीं पा रहे। कोर्ट में जाकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केरल में पहली बार भाजपा का मेयर

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। भाजपा के वीवी राजेश को शुक्रवार दोपहर को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम के मेयर पद की शपथ दिलाई गई। यह इस दक्षिणी राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में भाजपा के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था।

शपथ ग्रहण के बाद अपनी पहली टिप्पणी में उन्होंने कहा, ''हम सब एक साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे। सभी को साथ लेकर, सभी 101 वार्डों का विकास किया जाएगा। तिरुवनंतपुरम को एक विकसित शहर में बदल दिया जाएगा।''

भाजपा ने दिसंबर की शुरुआत में हुए तिरुवनंतपुरम नगर निगम चुनाव में

- भाजपा ने केरल में इतिहास रच दिया, राजधानी तिरुवनंतपुरम में भाजपा के वी.वी. राजेश को मेयर चुना गया।

भारी चमत्कारी जीत हासिल की। उसने 101 सीटों में से 50 सीटें जीतीं।

राजेश एक ऐसे राज्य में मेयर बने है, जहाँ छः माह से कम समय बाद विधानसभा चुनाव होने हैं तथा जहाँ भारतीय जनता पार्टी को ऐतिहासिक रूप से जबरदस्त संघर्ष करना पड़ा है, यह कभी केरल में सत्ता में नहीं रही यहाँ अब तक केवल एक विधायक, ओ. राजगोपाल ने 2016 में नेमोम सीट जीती थी और एक सांसद- अभिनेता सुरेश गोपी ने 2024 में त्रिशूर सीट जीती थी।

45 वर्षीय राजेश ने शुक्रवार सुबह के मतदान में 51 वोट प्राप्त किए, जो 100 सदस्यीय सदन में आधे से एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लखनऊ का ''राष्ट्र प्रेरणा स्थल'' उद्घाटन के साथ ही विवादों में घिरा

विपक्ष ने कहा, तीनों ब्राह्मण नेताओं की मूर्ति ही क्यों लगाई गई

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। प्रतिमाओं की राजनीति ने उस समय जोर पकड़ लिया, जब लखनऊ में ''राष्ट्र प्रेरणा स्थल'' का उद्घाटन किया गया, जिसमें जनसंघ/भाजपा के तीन दिग्गजों की 65 फीट ऊंची प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं: अटल बिहारी वाजपेयी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय। 230 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एआईएमआईएम के नेताओं ने सोशल मीडिया पर आरोप लगाया कि इन तीन ब्राह्मण नेताओं के चयन से भाजपा की ओबीसी, आदिवासियों और पिछड़ों के प्रति नफरत झलकती है।

लखनऊ को अब भारत की प्रतिमा राजधानी के रूप में माना जाने लगा है। समाजवादी पार्टी के शासन में राम मनोहर लोहिया और जनेश्वर मिश्र के नाम पर दो पार्क बनाए गए थे, जिनमें उनकी मूर्तियां थीं। मायावती ने

- विपक्षी नेताओं ने कहा, तीन ब्राह्मण नेताओं, अटल बिहारी वाजपेयी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीन दयान उपाध्याय की मूर्ति लगाना भाजपा की दलित व पिछड़ा विरोधी मानसिकता का प्रतीक है।
- यह चर्चा भी हो रही है कि कल्याण सिंह, जो एक ओबीसी (लोध) नेता थे, की अनदेखी क्यों की गई, जबकि उन्हीं के कार्यकाल में बाबरी मस्जिद टूटी थी।
- अयोध्या आंदोलन के मुख्य शिल्पी रहे लालकृष्ण अडवानी तथा मुरली मनोहर जोशी को नहीं बुलाना भी चर्चा का विषय रहा।

यह स्मारक 65 एकड़ में फैला हुआ है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को स्मारक का उद्घाटन करते हुए कहा था कि इस आयोजन का उद्देश्य भारत के हर बच्चे के योगदान को सम्मानित करना है, जो कि पिछली सरकारों की उस नीति से अलग है, जिसमें सभी उपलब्धियों का श्रेय केवल एक परिवार (नेहरू-गांधी) को दिया जाता था। लेकिन कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और मुख्यमंत्री के रूप में ''दलित प्रेरणा स्थल'' का निर्माण किया था।

भाजपा ने स्मारक के निर्माण के लिए मायावती की कड़ी आलोचना की थी, क्योंकि उन्होंने दलित नेताओं, जैसे कांशी राम और नारायण गुरु की प्रतिमाओं के साथ-साथ, अपनी खुद की प्रतिमा भी स्थापित करवाई थी।

इस मौके पर भाजपा के खिलाफ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र की राजनीति में एक और ''फैमिली रीयूनियन'' सन्निकट

शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार पुणे व मुम्बई नगर निगम चुनाव के लिए हाथ मिला सकते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर। ऐसा लगता है कि अपने-अपने गठबंधन के नेताओं द्वारा दबाव में आने के कारण नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के शरद पवार और अजित पवार गुट महाराष्ट्र में एक बड़े पारिवारिक और राजनीतिक पुनर्मेल की ओर बढ़ रहे हैं, जो आगामी संसदीय और राज्य चुनावों से कुछ ही सप्ताह पहले हो रहा है। ये चुनाव 2029 में होंगे।

शुक्रवार दोपहर को चाचा और भतीजा पुणे नगर निगम चुनाव के लिए सीट बंटवारे की बातचीत पूरी करने के

- शुक्रवार की शाम चाचा (शरद पवार) भतीजा (अजीत पवार) के बीच पुणे नगर निगम के चुनाव के लिए सीटों के बंटवारे की वार्ता अंतिम चरण में पहुँच गई।
- बीएमसी चुनाव के लिए उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने भी हाथ मिला लिया और इस नई व्यवस्था में महाराष्ट्र विकास अघाडी गठबंधन में शिव सेना की सहयोगी पार्टियां, कांग्रेस व एनसीपी (शरद) खुद को अलग-थलग महसूस कर रही हैं।

कगार पर पहुंच गए थे, यह उन 29 नगरपालिका निकायों में से एक है, जहाँ अगले माह चुनाव होने हैं। इनमें 74,000 करोड़ रुपये की आय वाले मुंबई नगर निगम का चुनाव भी शामिल है। अजित पवार, जुलाई 2023 में अपने चाचा से अलग होकर 18

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डॉ. मनमोहन सिंह की पहली पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, 26 दिसंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पूर्व

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने देश के आर्थिक पुनरोद्धार में योगदान के लिए डॉ. मनमोहन सिंह की सराहना की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बेगम ज़िया की पार्टी बी.एन.पी. शुरु से जमाती (कट्टरपंथी) तत्वों पर निर्भर रही है

बी.एन.पी. की ग्रामीण क्षेत्रों में पकड़ बहुत कम थी, अतः पार्टी ''रूरल एरिया'' में जमातियों पर आश्रित रहती थी, समर्थन जुटाने के लिए

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। बांग्लादेश में एक और हिंदू व्यक्ति की लिंचिंग की खबरें आ रही हैं और इसके साथ ही अल्पसंख्यकों, खास तौर पर हिंदुओं, के खिलाफ हिंसा की और भी घटनाएँ सामने आई हैं, हालांकि ईसाई और बौद्ध जैसे दूसरे समुदाय भी हमलों का शिकार हो रहे हैं, जिनमें लोगों को सीधे धमकाया गया, उनकी ज़मीनों पर कब्ज़ा किया गया और उनकी संपत्तियों में तोड़फोड़ की गई।

इस हिंसा के बीच एक नया

- अब, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार द्वारा शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को चुनाव लड़ने की इजाज़त नहीं देने के बाद, बांग्लादेश के भावी चुनावों में अजीबोगरीब स्थिति बन गई हैः चुनाव घोर कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों व कुछ कम कट्टरपंथी तत्वों के बीच संघर्ष बन कर रह गया है।
- बी.एन.पी. इस संदर्भ में अब अपने आपको मुख्यधारा की ''सैन्ट्रलिस्ट'' पार्टी के रूप में पेश करना चाहती है।

राजनीतिक घटनाक्रम भी हुआ है, जब एक प्रमुख राजनीतिक दल, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बी.एन.पी.) के निर्वासित प्रमुख सत्रह साल बाद देश लौटे हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम ज़िया-उर-रहमान के बेटे तहरीक़ रहमान अपनी बीमार माँ की देखभाल के लिए वापस आए हैं।

अवामी लीग के सत्ता में लौटने से पहले बीएनपी देश की प्रमुख राजनीतिक पार्टी थी, जिसका रुझान साफ तौर पर कट्टरपंथी था। चुनावों में समर्थन के लिए बीएनपी का जमाती समूहों के साथ क़रीबी गठबंधन था। ग्रामीण इलाकों में पार्टी का संगठन और आधार बहुत मज़बूत नहीं था और वह वहाँ समर्थन जुटाने के लिए जमातियों पर निर्भर रहती थी। मौजूदा हालात में, जब आने वाले कुछ महीनों में चुनाव होने वाले हैं,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गैंग रेप का आरोपी सीईओ 29 दिसंबर तक पुलिस रिमांड पर

उदयपुर, 26 दिसंबर । शहर पुलिस ने कार में गैंगरेप के आरोपी आईटी कंपनी के सीईओ व साथी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमाण्ड पर लिया है।

प्रकरण के अनुसार, गत दिनों शौभागपुरा स्थित आईटी कंपनी के बर्थडे व ''एण्ड ऑफ इयर'' पार्टी के उपलक्ष में कम्पनी कर्मचारियों के लिए पार्टी का आयोजन किया गया था। पार्टी के बाद कंपनी मैनेजर पीड़िता को कार से घर छोड़ने जा रहा था। कार में उसका एक साथी भी था। रास्ते में पीड़िता से

- आईटी कंपनी के सीईओ व उसके साथी पर पार्टी के बाद घर छोड़ने जाते समय पीड़िता के साथ गैंग रेप का आरोप है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत व चीन को भिड़ाने के प्रयास में है अमेरिका'

चीन के विदेश मंत्रालय व रक्षा मंत्रालय ने अमेरिका पर सीधा आरोप लगाया कि अमेरिका विश्व में, विशेषकर, एशिया में, चीन व भारत में मतभेद पैदा कर, अपना सामरिक ''वर्चस्व'' कायम रखना चाहता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। चीन ने गुरुवार को पैंटागन की उस रिपोर्ट पर कड़ा ऐतराज़ जताया जिसमें आरोप लगाया गया था कि बीजिंग भारत के साथ सीमा पर तनाव कम होने की स्थिति का फ़ायदा उठाकर नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच बढ़ती रणनीतिक नज़दीकी को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है।

चीनी अधिकारियों ने इस रिपोर्ट को मनगढ़ंत और झूठी कहानियों के ज़रिये देशों के बीच फूट डालने की कोशिश बताया और साथ ही यह भी दोहराया कि चीन भारत के साथ रिश्तों को स्थिर करने और बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अमेरिकी रक्षा विभाग की कांग्रेस को दी गई सालाना रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि यह दस्तावेज़ चीन की रक्षा नीति को गलत ढंग से पेश करता है और चीन तथा दूसरे देशों के बीच दरार डालने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि इस रिपोर्ट का मकसद, अपना सैन्य प्रभुत्व बनाए रखने को औचित्य प्रदान करना है। लिन ने कहा, चीन इस रिपोर्ट का कड़ा विरोध करता है।

खास बात यह है कि लिन ने इस मौके पर भारत के साथ चीन के संबंधों को अल्पकालिक सामरिक दांवपेंच के बजाय दीर्घकालिक रणनीतिक सोच से निर्देशित बताया। उन्होंने कहा कि बीजिंग नई दिल्ली के साथ संबंधों को ''रणनीतिक ऊँचाई और लंबी अवधि के नज़रिये'' से देखता है और वह संवाद बढ़ाने, आपसी भरोसा मजबूत करने, सहयोग को आगे बढ़ाने और मतभेदों को सही ढंग से संभालने के लिए तैयार है, ताकि दोनों देशों के बीच स्थिर द्विपक्षीय रिश्ता आगे बढ़ सके।

पैंटागन रिपोर्ट में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी के ज़िक्र पर लिन ने ज़ोर देकर कहा कि सीमा से जुड़ा मुद्दा पूरी तरह भारत और चीन के बीच का द्विपक्षीय मामला है। उन्होंने कहा कि मौजूदा सीमा स्थिति सामान्य तौर पर स्थिर है, बातचीत के रास्ते सुचारु रूप से काम कर रहे हैं। उन्होंने किसी तीसरे देश की ओर से की जा रही ''बेबुनियाद और गैर-ज़िम्मेदार टिप्पणियों'' पर आपत्ति जताई। पैंटागन की रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि चीन एलएसी पर तनाव कम होने का इस्तेमाल भारत के साथ रिश्ते स्थिर करने और अमेरिका-भारत संबंधों को और गहरा होने से रोकने के लिए करना चाहता है। रिपोर्ट में अक्टूबर 2024 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक का ज़िक्र किया गया, जो सीमा पर बचे हुए गतिरोध वाले बिंदुओं से पीछे हटने के समझौते के बाद हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक इस बैठक के बाद हर महीने उच्च-स्तरीय बातचीत शुरू हुई जिसमें सीमा प्रबंधन और भरोसा बढ़ाने के उपायों पर चर्चा हुई, जिनमें सीधी उड़ानें शुरू करना, वीज़ा प्रक्रिया आसान बनाना और शिक्षाविदों व पत्रकारों के बीच आदान-प्रदान जैसे मुद्दे शामिल थे।

अलग से, चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता झांग शियाओगांग ने चीन की सैन्य नीति और पाकिस्तान के साथ उसके सहयोग को लेकर रिपोर्ट के दावों को खारिज किया, जिनमें यह सुझाव भी था कि बीजिंग वहां सैन्य अड्डा बनाने पर विचार कर रहा है। झांग ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह हर साल चीन के आंतरिक मामलों में दखल देता है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह करने के लिए चीनी सैन्य खतरे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करता है। इन सभी बयानों के ज़रिये चीन ने न केवल अमेरिका के आरोपों का जवाब दिया बल्कि यह संकेत भी दिया कि भारत के साथ उसका जुड़ाव रिश्तों को स्थिर करने और करीब लाने के लिए है, न कि किसी एक रिश्ते को दूसरे के ख़िलाफ़ इस्तेमाल करने के लिए।

- तीखी प्रतिक्रिया की वजह है, अमेरिका के डिपार्टमैंट ऑफ वॉर की वार्षिक रिपोर्ट, जिसमें कहा गया है कि चीन भारत की सीमा पर तनाव करने का नाटक इसलिए कर रहा है कि भारत-अमेरिका के बीच सामरिक विषयों में नज़दीकी न बढ़े।
- चीन ने पुरजोर शब्दों में कहा, भारत व चीन पर जो भी स्थिति है, वह दोनों देशों का आपसी मामला है, इसमें किसी तीसरे देश को (अमेरिका को) कुछ बोलने का कोई मतलब नहीं है
- चीन अपनी सख्त प्रतिक्रिया से यह संदेश देना चाह रहा है कि उसका भारत से संबंध का लक्ष्य स्थिरता लाना व आपसी मेल-मिलाप बढ़ाना है, न कि किसी एक देश से संबंधों को दूसरे देश के संबंध से आमना-सामना कराना।

16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बैन हो सोशल मीडिया

चेन्नइ, 26 दिसंबर। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरई पीठ ने आस्ट्रेलिया की तर्ज पर 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए इंटरनेट मीडिया के उपयोग को नियंत्रित करने की सलाह दी है।

- मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ ने ऑस्ट्रेलिया में बने एक नए कानून का हवाला देते हुए यह अहम् टिप्पणी की।

कोर्ट ने कहा कि जब तक ऐसा कानून लागू नहीं होता, तब तक राज्य और राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग बच्चों में बाल अधिकारों और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्य योजना तैयार करें।

जस्टिस जी. जयचंद्रन और केके रामकृष्णन की पीठ ने हाल ही में यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)